45वीं यू.पी. बटालियन इकाई का शुभारम्भ

07 नवम्बर 2020 को 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के महाविद्यालय में शुभारम्भ के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि 45वीं बटालियन गोरखपुर के ले0कर्नल श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि एकता एवं अनुशासन राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन0सी0सी0) के आधारभूत स्तम्भ हैं। एन0सी0सी0 का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, साहस की भावना तथा स्वंयसेवा मे आदर्शो को विकसित करना है। इसके अतिरिक्त एन0सी0सी0 का उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रो में नेतृत्व के गुणो के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक विशेष समूह तैयार करना है, जो राष्ट्र सेवा में

सदैव समर्पित रहे। एन0सी0सी0 वास्तव में युवाओ को राष्ट्रीय सशस्त्र बलो में चाहे वह जल, थल, वायु सेना हो , में शामिल होने के लिए अनुकूल वातावरण का सृजन करता है।

अपने उद्बोधन में छात्रों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि एन0सी0सी0 स्थापना सन 1948 ई0 में एक वालंटियर ग्रुप के तौर पर स्थापित हुई थी, आज वर्तमान समय में देशभर में 15 लाख से अधिक एन0सी0सी0 कैडेट अपनी सेवायें दे रहे हैं। यूथ एक्सचेन्ज प्रोग्राम के तहत आज एन0सी0सी0 के कैडेटो को विश्व में अन्य देशों में जाकर भी प्रशिक्षण

प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। चीन से 1962 के युद्व के बाद एन0सी0सी0 को स्वैच्छिक के स्थान पर अनिवार्य बनाया गया था। एन0सी0सी0 वास्तव में भारत की द्वितीय रक्षा पंक्ति के रूप में प्रतिष्ठित है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय के विगत कुछ वर्षो के अनवरत प्रयासों का परिणाम है कि आज महाविद्यालय में एन0सी0सी0 की एक इकाई स्थापित हो रही है। नई

सरकार की विद्यार्थी केन्द्रित नीतियो का ही परिणाम है कि आज स्ववित्तपेषित महाविद्यालय के विद्यार्थी भी एन0सी0सी0 से जुडने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं।

मानव जीवन की पूर्णता एवं व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिये एन0सी0सी0 अतिआवश्यक है। व्यक्ति के व्यक्तित्व को गढने में एन0सी0सी0 की अहम भूमिका होती है। कार्यक्रम के अन्त में एन0सी0सी0 में उपस्थित अधिकारियों के प्रति महाविद्यालय के एन0सी0सी0 प्रभारी डा0 कृष्ण कुमार नें आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध मिश्र ने किया।

संविधान दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

26 नवम्बर 2020 को संविधान दिवस के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय ''भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय'' था। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बृजभूषण लाल ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि'' 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को एक सुदृढ़ राष्ट्र बनाने के लिए संविधान निर्माताओं के समक्ष धार्मिक और जाति विविधता को संगठित करना एक प्रमुख चुनौती थी। अतः इन्होंने व्यक्ति की गरिमा एवं प्रतिष्ठा को स्थापित करते हुए एक धर्म निरपेक्ष, समाजवादी राज्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया। भारत का संविधान नागरिकों के अधिकार की सुरक्षा की गारंटी

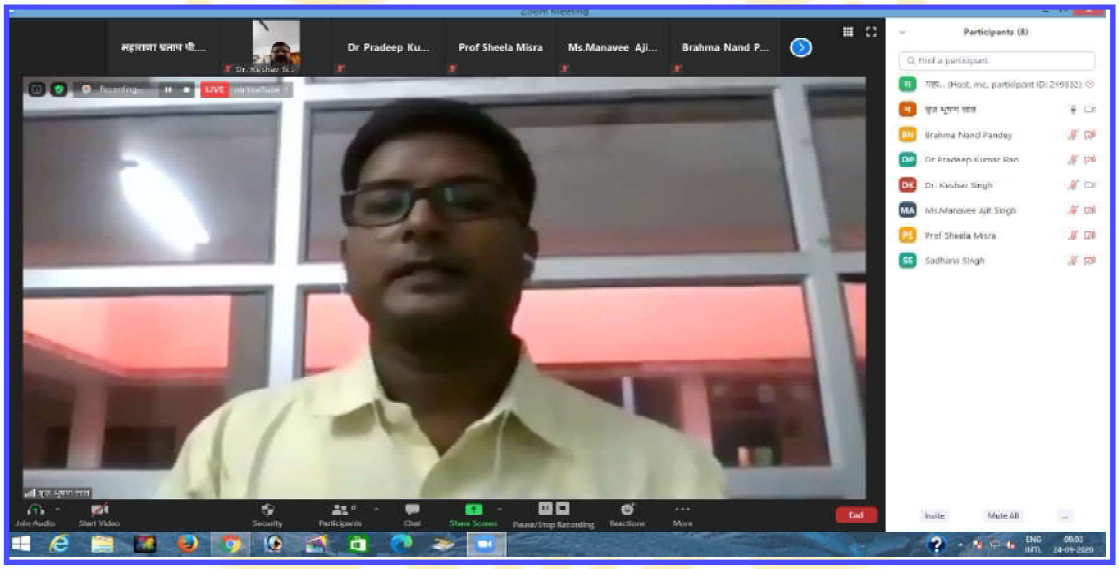

प्रदान करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके कर्त्तव्यों को भी सुनिश्चित करता है। यह नागरिकों के अन्दर असुरक्षा, भय, शोषण आदि से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। संविधान के द्वारा ही कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका में उचित सन्तुलन स्थापित करके हमारे संविधान निर्माताओं ने राष्ट्र के निरन्तर प्रगति के मार्ग को प्रशस्त किया है।

26 नवम्बर, 1949 को भारतीय नागरिकों ने जिस संविधान को अंगीकृत किया उसे वर्ष 2015 तक विधान–दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। किन्तु बाबा साहेब अम्बेडकर के 125वीं जयन्ती के अवसर पर सन् 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसे संविधान दिवस के नाम से मनाने का निर्णय लिया। तभी से प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान

दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि संविधान व कानून में श्रद्धा और विश्वास रखते हुए हमें अपने कर्त्तव्यों का पालन करते रहना चाहिए तथा राष्ट्र की प्रगति में अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए निजी स्वार्थों संकीर्णताओं को त्यागकर राष्ट्र

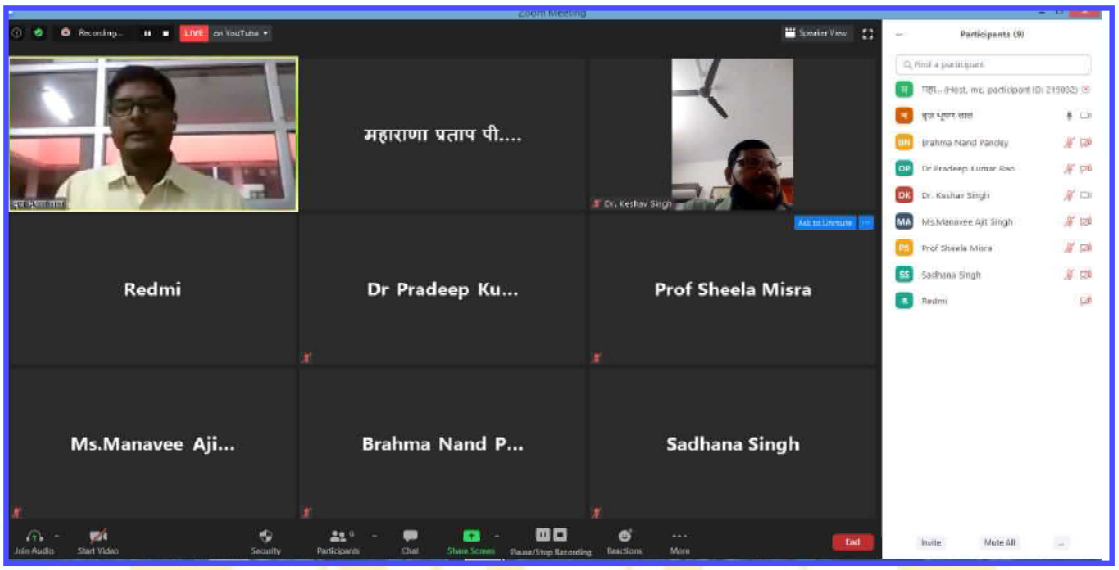

के निर्माण और विकास में अपना सहयोग देते रहना चाहिए। प्रतियोगिता प्रभारी सी.टी.ओ. 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 24

प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के विपक्ष में अपना विचार रखते हुए प्रथम स्थान सत्य प्रकाश तिवारी बी.ए. भाग–दो, द्वितीय स्थान दुर्गेश पाल भाग एक एवं तृतीय स्थान रितेश सिंह बी.काम भाग–दो तथा विषय के पक्ष में अपना विचार रखते हुए प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय बी.ए. भाग–दो, द्वितीय स्थान आलोक कुमार बी. ए. भाग–दो तथा तृतीय स्थान, सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा बी.ए. भाग–दो को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री बृजभूषण लाल, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह एवं रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रवक्ता श्री रमाकान्त दूबे रहे।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस (विशिष्ट व्याख्यान)

02 दिसम्बर 2019 को आयोजित राष्ट्रीय प्रदूषण नियत्रण दिवस के अवसर पर ''औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियत्रण'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलाना तथा प्रदूषण रोकने के लिए प्रयास करना था। कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवको को उद्योगों के कारण बढ़ रहे वायु, जल, मृदा, ध्वनि प्रदूषण एवं औद्योगिक आपदाओं के प्रति सचेत एवं जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती विभा सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''आज का युग विज्ञान का युग है'' विज्ञान ने जहां एक ओर मनुष्य के लिए सुख–सुविधाओं के साधन जुटाएं है और अनेक समस्याओं का समाधान किया है, वही दूसरी ओर इन आविष्कारों द्वारा अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई है। आज के औद्योगिक युग में संयन्त्रों, मोटर वाहनों कल कारखानों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है। विभिन्न आविष्कारों के कारण हमारी पूरी धरती का वातावरण दूषित हो गया है। इन उद्योगों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ एवं रसायनों से जल, वायु एवं मृदा प्रदूषित हो रही है, जिससे पेड़ पौधे, जीव–जन्तु एवं मनुष्यों पर घातक प्रभाव पड़ रहा है। प्रदूषण के कारण विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों में वृद्धि हो रही है। भोपाल गैस त्रासदी विश्व की भीषण औद्योगिक आपदाओं में से एक है जहां 1984 में 2/3 दिसम्बर की रात भोपाल शहर में

स्थित यूनियन कार्बाइड के रसायनिक संयत्र से जहरीला रसायन जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट (एम.आई.सी) के रूप में जाना जाता है के साथ–साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हजारो लोगों की मृत्यु हो गयी थी। इसे पूरे विश्व इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। आज विश्व समूदाय को भविष्य में इस प्रकार की औद्योगिक आपदा न हो इसके लिए सचेत, जागरूक एवं गम्भीर निवारण उपायों की आवश्यकता है। विश्व समुदाय द्वारा प्रदूषण रोकने के लिए नीति नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ जागरूकता के प्रयास किये जाएं। औद्योगिक उन्नति एवं प्रगति की सार्थकता इसी में है कि मनुष्य सुखी, स्वस्थ एवं सम्पन्न बने रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रकृति को सहज रूप से अपना कार्य करने का अवसर दिया जाय। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन सी.टी.ओ. 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर डॉ. कृष्ण कुमार ने किया।

एकता और अनुशासन

15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन इकाई का शुभारम्भ

15 दिसम्बर 2020 को 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई की महाविद्यालय में शुभारम्भ के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर की मेजर प्रिया जी ने छात्राओं को राष्ट्रीय कैडेट कोर की जानकारी देते हुए कहा कि एन.सी.सी. तीन प्रकार के सर्टिफिकेट देता है, जिसमें 'ए', 'बी' और 'सी' ग्रेड शामिल है जिसमें सर्वोच्च ग्रेड 'सी' होता है। इस ग्रेड में भी ए, बी, सी आदि प्वाइन्ट दिये जाते है। एन.सी.सी. का सर्वोच्च सर्टिफिकेट 'सी' अल्फा ए होता है, जिसमें ए से लेकर सी तक परीक्षा और ट्रेनिंग मुश्किल हो जाती है और भारतीय सेना (कर्नल रैंक) के वरिष्ठ अधिकारी इन परीक्षाओं और ग्रेड

पर नजर रखते है। 'सी' सर्टिफिकेट उन छात्रों को दिया जाता है जो पीटी इग्जाम को बी ग्रेड से अच्छे अंक से पास करते हैं।

अपने उद्बोधन में विभिन्न सर्टिफिकेट के महत्व को बताते हुए उन्होंने आगे कहा कि 'ए' सर्टिफिकेट से उम्मीदवार सी.एस.एन. (कम्पनी सर्जेंट मेजर) तक का पद हासिल कर सकते है, जबकि बी सर्टिफिकेट से जे.यू.ओ. और सी सर्टिफिकेट से सी.ए.यू.ओ (कम्पनी सीनियर अण्डरऑफिसर) का पद पा सकते है। एन.सी.सी. से सी सर्टिफिकेट

छात्रों को सेना, अर्द्धसैनिक बलों के अलावा विभिन्न सरकारी नौकरियां पाने में आसानी रहती है। 'सी' सर्टिफिकेट प्राप्त उम्मीदवारों को सोल्जर जी.डी. कैटेगरी और सोल्जर टेकनेक 10 फीसदी अंक का फायदा होता है वही नेवी और एयर फोर्स की नौकरियों का फायदा होता है, एयर फोर्स में 05 अंक और बी.एस.एफ में 10 अंक का फायदा होता है। उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, में एडमिशन में भी एन.सी.सी. से मिले सर्टिफिकेट का बहुत महत्त्व है गौरतलब है कि राष्ट्रीय कैडेट कोर, भारतीय सैन्य कैडेट

कोर है जो कि स्वैच्छिक आधार पर स्कूल और कॉलेज के लिए खुला है। भारत में एन.सी.सी. कैडेट की संख्या लगभग 18 लाख है। एन.सी.सी. में समाज सेवा, अनुशासन, चरित्र निर्माण की सीख दी जाती है तथा सीनियर छात्रों की ट्रेनिंग सुरक्षा बलों के तर्ज पर होती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि कैडेटस् को प्रशिक्षण की साथ ही सारी शिक्षा प्रदान की जाती है जैसे नेतृत्व की योग्यता, आत्मविश्वास, सम्मान की भावना, संचार कौशल और सबसे महत्त्वपूर्ण है सैन्य बल के बारे में ज्ञान। जीवन के हर क्षेत्र में कार्य के लिए अनुशासन और आत्मनिर्भरता की आवश्यकता होती है जिसका विकास एन.सी.सी. अपने कैडेटस् में कराता है। देश के युवाओं में चरित्र, सहचर्य, नेतृत्व, अनुशासन, धर्मनिपेक्षता, रोमांच और

निस्वार्थ सेवा भाव का संचार करना एन.सी.सी. का परम ध्येय है। उन्होंने कैडेट को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने तथा देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की सलाह दी तथा सी.टी.ओं महोदया से छात्राओं से सशस्त्र सेना में कैरियर बनाने के लिए प्रेरित करने तथा उचित वातारण प्रदान करने का निवेदन किया। कार्यक्रम का संचालन 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई के सी.टी.ओं डॉ. कृष्ण कुमार तथा आभार ज्ञापन 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई की सी.टी.ओ. कविता मंध्यान ने किया।

दैनिक जागरण गोरखपुर 16 दिसंबर 2020

युवाओं का चरित्र निर्माण एनसीसी का लक्ष्य

महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में एनसीसी की ट्रेनिंग लेतीं छात्राएं • जागरण

प्रशिक्षण

- एमपीपीजी कालेज में शुरू हुई एनसीसी की बालिका इकाई
- सर्वांगीण विकास के लिए एनसीसी अति आवश्यक : डा. प्रदीप राव

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : एनसीसी का लक्ष्य युवाओं का चरित्र निर्माण करना है। उनमें अनुशासन और साहस की भावना विकसित करना है। साथ ही स्वयंसेवा के आदर्शों पर चलाने के लिए प्रेरित करना है। यह बातें 15वीं बटालियन की मेजर प्रिया सिंह ने महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में एनसीसी बालिका इकाई के शुभारंभ अवसर पर कहीं।

उन्होंने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व के गुणों के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक विशेष समूह तैयार करना भी है, जो राष्ट्र सेवा में सदैव समर्पित रहें। उन्होंने बताया कि आज देशभर में 15 लाख से अधिक एनसीसी कैडेट अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अध्यक्षीय संबोधन में कालेज के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के अनवरत प्रयास के बाद कालेज में एनसीसी की एक और इकाई स्थापित हो रही है। डा. राव ने कहा कि मानव जीवन की पूर्णता एवं व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए एनसीसी अति आवश्यक है। व्यक्तित्व को गढ़ने में एनसीसी की अहम भूमिका होती है। एनसीसी प्रभारी कविता मध्यान ने आभार ज्ञापित तथा संचालन डा. कृष्ण कुमार ने किया।

एकता और अनुशासन

प्रशिक्षण प्रारम्भ

23 दिसम्बर 2020 को 45वीं यू.पी. बटाालियन एवं 15वीं यू.पी. बटालियन के कैडेट का प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। इसमें मुख्य ट्रेनर हवलदार विजय कुमार ने ड्रिल, अनुशासन एवं एकता के विभिन्न आयामों पर चर्चा करके फील्ड में कैडेट को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान दोनों बटालियनों के सीटीओ डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र एवं श्रीमती कविता मन्ध्यान उपस्थित रहीं और इनका सहयोग डॉ. कृष्ण कुमार पाठक एवं डॉ. रमाकान्त दूबे ने किया।

इस दौरान कैडेट को देश की एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण रखने वाले मूल्यों से परिचित कराते हुए ट्रेनर हवलदार विजय कुमार ने कैडेट को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज एक बड़ा प्रश्न यह है कि धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र आदि के नाम पर समाज को बटने से कैसे रोका जाये? इसके लिए हमें एक दूसरे की संस्कृति का सम्मान करना सिखना होगा।जिस प्रकार परिवार में अलग राय रखने वाले को घर से निकाल नही दिया जाता है उसी प्रकार अलग मत रखने वाले को देश तथा समाज से काटा नही जा सकता अतः हमें सभी के मतों को समान रूप से सम्मान देना चाहिए। यह सही है कि लोग सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय संस्कृति को बढ़ावा दे लेकिन राष्ट्रीयता की कीमत पर नही होना चाहिए।

इस अवसर पर कैडेट को सम्बोधित करते हुए सी.टी.ओ कविता मंध्यान ने कहा कि सबको जोड़ने के लिए ही तीन रंगो के कपड़े को जोड़कर तिरंगा बनाया गया है। वह कोई साधारण कपड़ा नहीं है क्योकि वह हमारी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है इसकी प्रतिष्ठा राष्ट्र की प्रतिष्ठा और इसका अपमान राष्ट्र का अपमान है इसलिए इस तिरंगे की शान के लिए आज तक हजारों लाखों भारतीय अपने प्राणों की आहुति दे चुके हैं। इसी बलिदान का परिणाम है कि आज हमारी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक तिरंगा झण्डा अपने सर्वोच्च स्थान पर गर्व के साथ फहरा रहा है। प्रत्येक कैडेट का यह परम कर्त्तव्य है कि वह देश की एकता व अखण्डता की रक्षा करें।

एकता और अनुशासन

आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर महिला (विशिष्ट व्याख्यान)

09 जनवरी 2021 को 'आत्म निर्भर भारत–आत्म निर्भर महिला' अभियान के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि कर्नल भानू प्रताप शाही जी उपस्थित रहे। कर्नल शाही ने यू.पी.15वीं गर्ल्स बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री तथा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री 'सबका साथ–सबका विकास' के साथ कार्य कर रहे

हैं। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित हो रही हैं। योगी सरकर खेतीबाड़ी तथा महिलाओं के उन्नत तौर–तरीकों के माध्यम से महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए प्रगतिशील महिलाओं की मदद ले रही है। यू.पी. 15वीं गर्ल्स बटालियन इसमें सक्रिय भूमिका निभा सकती है। कर्नल शाही ने आगे बोलते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के लिए सौभाग्य, जन–धन योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढाओ, STEP आदि योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए सी.टी.ओं कविता मंध्यान ने कहा कि देश में विकास यात्रा आगे बढ़ाने के लिए पुरुषों के साथ महिलाएं भी बराबर की सहभागी है।

वर्तमान सरकार की दीनदयाल अन्त्योदय योजना एवं ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी योजनाएं गरीब महिलाओं को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की पहल है। भारत की महिलाएं आज विश्वविद्यालयों को टीम भावना एवं मिलजुल कर काम करने और काम के बटवारें का पाठ स्वयं सहायता समूह बनाकर कर रही है। जब महिला सशक्तिकरण की बात करते है तो इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण आवश्यकता महिलाओं की स्वयं की शक्तियों, अपनी योग्यता एवं हुनर को पहचाने का अवसर उपलब्ध कराने का होती है। अतः हम सभी अपने आस–पास के ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर होने के प्रति सजग एवं प्रेरित करें। कार्यक्रम का संचालन सी.टी.ओ, 45वीं यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन उप–प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

एकता और अनुशासन

मिशन नवोत्थान का शुभारम्भ

09 जनवरी 2021 को 'आत्म निर्भर भारत–आत्म निर्भर महिला' अभियान के अन्तर्गत बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालय के अभिग्रहित ग्राम ककरहियां की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित वस्तुओं यथा–मास्क, ऊनी मोजे, अचार इत्यादि की प्रदर्शनी एवं बिक्री का शुभारम्भ 'मिशन नवोत्थान' के अन्तर्गत किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि कर्नल भानू प्रताप शाही ने किया। इस दौरान उन्होंने कैडेट्स से अनौपचारिक बातचीत भी की।

एकता और अनुशासन

प्रदर्शनी के पश्चात कैडेट्स द्वारा 'आत्म निर्भर भारत–आत्म निर्भर महिला' के प्रति एक जन–जागरूकता रैली निकाली गयी।

एकता और अनुशासन

15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर कमांडिंग ऑफीसर आगमन समारोह

12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर भारत–भारती पखवारा के उद्घाटन अवसर एवं 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. के कमांडिंग आफिसर कर्नल एस. रामालिंगम के आगमन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एस. रामालिंगम भारत की अखंडता, बौद्धिक मेधा एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुरोधा के रूप में स्वामी विवेकानन्द जी का व्यक्तित्व हम सभी को नित–निरन्तर मार्गदर्शित करता रहेगा। अपने व्यक्तित्व एवं आचरण के दम पर स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कषति का परचम पूरे विश्व मे फहराया था। स्वामी जी जैसा विलक्षण व्यक्तित्व विरला ही पैदा होता है। वे विश्व के समस्त युवाओं के सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे। हम सभी को स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन से सीख लेकर स्वयं तथा राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहिए।